हरिभूमि
विंध्य भूमि
सतना | छतरपुर | रीवा | सिंगरौली | पन्ना

जबलपुर, शनिवार 4 जुलाई 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कोठी पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत दो गांजा तस्कर गिरफ्तार, सवा किलो माल जब्त

सतना। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.हंसराज सिंह के निर्देशन में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत कोठी थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी कर दो शातिर गांजा तस्करों को रंगे हाथों दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से कुल 1 किलो 75 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया है,जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10,750 रुपये बताई जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (देहात) प्रेमलाल कुर्वे एवं एसडीओपी नागौद रघु केशरी के मार्गदर्शन में कोठी थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

दो अलग-अलग स्थानों पर पुलिस की रेड

मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने 2 जुलाई की दरम्यानी रात दो अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की पहली कार्रवाई उदयसागर कोठी रोड पर आरोपी रंजीत विश्वकर्मा 22 वर्ष,निवासी उदयसागर को दबोचा गया,जिसके पास से 532 ग्राम गांजा मिला।दूसरी कार्रवाई कंचनपुर मोड़ पर आरोपी शिवकली कोरी 36 वर्ष,निवासी बैदन टोला पगार,सभापुर को घेराबंदी कर पकड़ा गया,जिसके कब्जे से 543 ग्राम गांजा बरामद हुआ। कोठी थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी संतोष तिवारी, सउनि. अश्वनीधर द्विवेदी, राजबहादुर सिंह, प्रधान आरक्षक देवेंद्र सेन,प्रमोद तिवारी, रामनरेश बैगा, और आरक्षक रिंकू जाटव,संतोष धुर्वे व विशाल नागर की सराहनीय भूमिका रही।

जिले के 262 तीर्थ यात्रियों को लेकर विशेष ट्रेन हरिद्वार-ऋषिकेश रवाना

सतना। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत सतना जिले के 262 श्रद्धालुओं को लेकर विशेष ट्रेन शुक्रवार को हरिद्वार-ऋषिकेश के लिए रवाना की गई। स्टेशन परिसर में महापौर योगेश ताम्रकार एवं जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने यात्रियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके बाद यात्रियों को गाजे-बाजे के साथ प्लेटफार्म तक सम्मानपूर्वक ले जाया गया और विधिवत रवाना किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसडीएमएल. आर.जांगड़े, तहसीलदार जसो यादवेन्द्र मणि त्रिपाठी, पटवारी बृजेश निगम,स्टेशन प्रबंधक अब्दुल अतीम,रवीन्द्र सिंह सेठी,श्यामलाल गुप्ता सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने यात्रियों के सुरक्षित एवं सुखद यात्रा की कामना की।

अधिवक्ता संघ चुनावः कचहरी में उत्साह का 'महाकुंभ', 87.43% बंपर वोटिंग

बूथ नंबर 1 पर रहा सबसे ज्यादा रुझान, रिकॉर्ड 91.16 फीसदी मतदाताओं ने डाले वोट; आज सुबह 10 बजे से शुरू होगी मतगणना

सतना।

जिला अधिवक्ता संघ सतना के द्विवार्षिक चुनाव के तहत शुक्रवार को मतदान की प्रक्रिया बेहद शांतिपूर्ण,अनुशासित और भारी उत्साहजनक माहौल में पूरी हुई। सुबह से ही कचहरी परिसर में वकीलों के बीच अपने नए नेतृत्व को चुनने के लिए गजब का जोश देखा गया,जिसका असर वोटिंग के आंकड़ों में भी साफ नजर आया। इस बार चुनाव में रिकॉर्ड 87.43 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस उत्सव में भागीदारी निभाई। मुख्य चुनाव अधिकारी रमेश मिश्रा (शासकीय अभिभाषक/लोक अभियोजक-जीपी,सतना) से प्राप्त जानकारी के अनुसार,संघ के कुल 1775 पंजीकृत मतदाताओं में से 1552 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। निष्पक्ष,पारदर्शी और सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय परिसर में कुल 3 बूथ बनाए गए थे।

मतदान की बूथवार विस्तृत स्थिति एक नजर में

कचहरी परिसर में बनाए गए तीनों बूथों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं।

बूथ संख्या कुल मतदाता पड़े कुल वोट मतदान प्रतिशत
बूथ क्र. 1- 600- 547- 91.16 फीसदी
बूथ क्र. 2- 600- 534- 89.00 फीसदी
बूथ क्र. 3- 575- 471- 81.91 फीसदी
कुल योग- 1775-1552- 87.43 फीसदी
चुनावी महासमर की मुख्य कड़ियां

बूथ नंबर 1 ने रचा इतिहासः

मतदान में सबसे ज्यादा रुझान और उत्साह बूथ क्रमांक 1 पर देखा गया,जहाँ रिकॉर्ड 91.16 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई। मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए न्यायालय परिसर और बूथों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बेहद पुख्ता रही। वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने कतारों में लगकर पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ अपने मत दिए।

सीलबंद हुईं मतपेटियां

शाम को मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद सभी मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा और प्रत्याशियों के एजेंटों की मौजूदगी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि शनिवार (4 जुलाई) को सुबह 10 बजे से मतगणना की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके ठीक बाद एक-एक कर जिला अधिवक्ता संघ के नए अध्यक्ष,सचिव समेत कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों के भाग्य का फैसला हो जाएगा।

कचहरी में सरगर्मियां तेज

मतदान खत्म होने के बाद भी कचहरी परिसर और वकीलों के चैंबरों में चुनावी समीकरणों को लेकर गहमागहमी का माहौल बना हुआ है। हर कोई अपने-अपने पसंदीदा प्रत्याशी की जीत के दावे और गुणा-भाग में जुटा हुआ है।

बारिश ने खोला राजः मझगवां के जंगल में 15 फीट गहरे गड्ढे से मिला 2 महीने पुराना बाघ का शव

सड़क से 50 मीटर दूर दफन था शव; तेज दुर्गंध फैलने पर ग्रामीणों ने वन विभाग को दी सूचना, खोजी श्वान दल की मदद से निकाला बाहर

सतना।

मझगवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत करारिया-बिछियन सीमा से लगे डउकीहाई क्षेत्र में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ लगभग दो माह पूर्व एक बाघ की संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हो गई,जिसे पकड़े जाने के डर से अज्ञात आरोपियों द्वारा गहरे गड्ढे में दफन कर दिया गया था। इस राज पर से पर्दा तब उठा,जब हाल ही में हुई तेज बारिश के बाद पूरे इलाके में भयानक दुर्गंध फैल गई।

खोजी श्वान (डॉग स्क्वॉड) की मदद से मिला शव

आसपास के ग्रामीणों को जब क्षेत्र में तेज बदबू का अहसास हुआ,तो उन्हें किसी अनहोनी का संदेह हुआ। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग के आला अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भारी अमले के साथ मौके पर पहुंची और सघन तलाशी अभियान शुरू किया। घने जंगल और जटिल परिस्थितियों को देखते हुए डॉग स्क्वॉड (खोजी श्वान दल) को मौके पर बुलाया गया। खोजी श्वान की निशानदेही पर मुख्य मार्ग (सड़क) से लगभग 50 मीटर दूर एक सुनसान स्थान पर करीब 15 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया,जहाँ से बाघ का बुरी तरह सड़-गल चुका शव बरामद किया गया।

जांच के मुख्य बिंदु

घटनास्थलः करारिया-बिछियन सीमा से लगा डउकीहाई क्षेत्र।

शव की स्थितिः लगभग दो महीने पुराना,अत्यधिक सड़ा-गला। गहराईः सड़क से 50 मीटर दूर, करीब 15 फीट गहरे गड्ढे में दफनाया गया था।

शिकार या प्राकृतिक मौत? जांच में जुटा अमला

बाघ के शव को इतनी चालाकी और गहराई से छुपाया जाना सीधे तौर पर शिकार या किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा कर रहा है। कार्रवाई के दौरान वन विभाग का अमला और सुरक्षाकर्मी पूरे समय मौके पर मुस्तैद रहे। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

अधिकारियों का कहना है कि

बाघ का शव काफी पुराना है। प्रथम दृष्टया मामला संदेहास्पद प्रतीत हो रहा है। फिलहाल बाघ की मौत के सटीक कारणों और उसे इस तरह छुपाने के पीछे जिम्मेदार आरोपियों की पहचान के लिए हर पहलू से बारीकी से जांच की जा रही है।जांच रिपोर्ट और पोस्टमार्टम के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला कांग्रेस ने नीट लीक, राम मंदिर चोरी और किसान मुद्दों पर सरकार को घेरा

सतना। शुक्रवार को सर्किट हाउस में जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दीकी की अध्यक्षता में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस ने भ्रष्टाचार,नीट पेपर लीक और किसानों की दुर्दशा को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखे हमले किए। प्रेसवार्ता में अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दीकी ने बताया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस एक गोपनीय डिजिटल पोर्टल शुरू करने जा रही है। साथ ही,आगामी 15 तारीख को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा। प्रदेश प्रवक्ता रितेश त्रिपाठी ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाते हुए ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर कार्रवाई न होने और सरकार की बुलडोजर नीति पर सवाल दागे। वहीं,जिला प्रवक्ता अमित गोयल ने नीट पेपर लीक व शिक्षा घोटालों को लेकर सरकार को घेरा और कहा कि पिछले 10 वर्षों में 89 पेपर लीक होने से छात्रों का भविष्य अंधकार में है। उन्होंने किसानों को गेहूं खरीदी में हुई परेशानी तथा नकली खाद-कीटनाशक मिलने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। इस दौरान पूर्व विधायक कल्पना वर्मा समेत के.के. कुशवाहा,वरुण गुर्जर और अंकित गुप्ता जैसे कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

अपर कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

सतना। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को अपर कलेक्टर विकास सिंह की अध्यक्षता में अनुभाग एवं तहसीलों के पीठासीन अधिकारियों,रीडरों तथा संबंधित शाखाओं के कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम राहुल सिलाडिया,एल.आर.जांगड़े,सुभाष मिश्रा सहित जिले के तहसीलदार,नायब तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विभिन्न राजस्व प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर विकास सिंह ने लंबित मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने न्यायालयीन प्रकरणों में समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने,अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण करने तथा प्रकरणों के निराकरण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने पर विशेष बल दिया। बैठक में राजस्व न्यायालयों के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा सभी अधिकारियों से शासन के निर्देशों के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने योग शिक्षक डॉ.अशोक एवं लैब टेक्निशियन पन्नी लाल को दी भावभीनी विदाई

सतना। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर कला संकाय में पदस्थ योग शिक्षक डॉ.अशोक दुबे एवं लैब टेक्निशयन पन्नीलाल सेन को सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आयोजित अभिनंदन एवं विदाई समारोह में दोनों के दीर्घ,समर्पित एवं अनुकरणीय सेवाकाल का स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी शुभकामनाओं के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो.आलोक चौबे ने डॉ.अशोक दुबे एवं पन्नीलाल सेन को शाल,श्रीफल,स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति उसके कर्मनिष्ठ एवं समर्पित कर्मचारियों के योगदान पर आधारित होती है। डॉ.दुबे ने योग शिक्षा एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई,वहीं पन्नी लाल सेन ने अपनी कार्यनिष्ठा,अनुशासन एवं सेवाभाव से विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में योगदान दिया। कुलगुरु ने दोनों के स्वस्थ,सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो.नंद लाल मिश्रा ने भी दोनों के व्यक्तित्व एवं सेवाओं की सराहना की। इस अवसर पर कला संकाय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हर नागरिक तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुँचा रही मैहर पुलिस

सतना। सेफ क्लिक अभियान 2.0 के अंतर्गत जिले के समस्त थानों द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ताकि आम नागरिक सायबर अपराधों से सतर्क रहें और अपराधियो के झांसे में न आएं।इसी क्रम में थाना प्रभारी रामनगर निरीक्षक विजय त्रिपाठी द्वारा शासकीय उच्चतर मॉडल स्कूल रामनगर,संदीपनी विद्यालय रामनगर,एसबीआई बैंक एवं इंडियन बैंक रामनगर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों,बैंक कर्मचारियों एवं आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। चौकी प्रभारी मर्यादपुर उपनिरीक्षक कुलदीप पटेल द्वारा मर्यादपुर बैंक सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को साइबर ठगी से बचाव एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। थाना प्रभारी बदेरा निरीक्षक अभिषेक सिंह परिहार द्वारा ग्राम बंधी,बदेरा एवं बराकला में ग्रामीण जनों को सायबर अपराधों की जानकारी और उनसे बचाव के उपाय बताए गए। इसके अतिरिक्त जिले के अन्य थाना एवं चौकी क्षेत्रों में भी बैंकों,एटीएम,शैक्षणिक संस्थानों,बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक स्तर पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रचार -प्रसार किया जा रहा है।अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों तक साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी पहुँचाना,उन्हें ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों से अवगत कराना तथा यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति साइबर अपराधियों के झांसे में न आए।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया मझगवां बायपास रोड एवं चित्रकूट मोड़ घाट का निरीक्षण

सतना। जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह शुक्रवार को मझगवां बायपास रोड एवं चित्रकूट मोड़ घाट का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सड़क निर्माण की वर्तमान स्थिति,यातायात की सुगमता, मोड़ों पर सुरक्षा व्यवस्था,संकेतक बोर्ड,एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का अवलोकन किया। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सड़क मरम्मत कार्य में गति लाकर आवश्यक साइन बोर्ड,स्पीड ब्रेकर,एवं प्रकाश व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। बाद में कलेक्टर ने नगर पंचायत के सभाकक्ष में चित्रकूट विकास के कार्यो की समीक्षा की।

स्वच्छता व्यवस्था को मिलेगी मजबूती, महापौर ने नवीन ट्रैक्टर वाहन को दिखाई हरी झंडी

सतना। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर निगम परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने नवीन ट्रैक्टर वाहन को हरी झंडी दिखाकर नगर सेवा के लिए रवाना किया। महापौर ने कहा कि नगरनिगम द्वारा उपलब्ध कराया गया यह नवीन संसाधन शहर में साफ -सफाई,कचरा प्रबंधन एवं विभिन्न विकास कार्यों को अधिक गति और दक्षता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम स्वच्छ,सुंदर एवं व्यवस्थित शहर के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रस्तावित खनन परियोजना हेतु सालाना सतह मुआवजे ढांचे पर किसानों, जिला प्रशासन एवं डालमिया सीमेंट ने चर्चा की

सतना, मध्य प्रदेश। किसानों, जिला प्रशासन के अधिकारियों और डालमिया सीमेंट के प्रतिनिधियों ने यमुना और शासनकाल रामपुर बघेलान में एक संवादपरक बैठक में भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य कंपनी की प्रस्तावित लाइमस्टोन खनन परियोजना के लिए वार्षिक सतह मुआवजा (एएससी) ढांचे के कार्यान्वयन पर चर्चा करना था। यह बैठक चल रही हितधारकों से जुड़ने की प्रक्रिया का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य खनन लीज़, भूमि स्वामित्व और मुआवजे को नियंत्रित करने वाले वैधानिक ढांचे के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

यह चर्चा इस वर्ष की शुरुआत में हुए पिछले परामर्शों के बाद आयोजित की गई है। इसने किसानों को वैधानिक ढांचे के तहत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों, मुआवजा प्रणाली और सुरक्षा उपायों पर स्पष्टीकरण मांगने का अवसर प्रदान किया। सभा को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 24A, और खनिज रियायत नियम, 2016 के नियम 52 और 53 के तहत, भारत सरकार ने वार्षिक सतह मुआवजे के माध्यम से खनन भूमि तक पहुँच को आसान बनाने का एक ढांचा तैयार किया है। यह ढांचा खनिज विकास को सक्षम बनाता है और साथ ही यह भी सुनिश्चित करता है कि भूमि का स्वामित्व किसान के पास ही बना रहे।

यह भी समझाया गया कि भूमि की सीधी खरीद के विपरीत, एएससी ढांचा भूमि स्वामियों को अपनी भूमि पर मालिकाना हक बनाए रखने की अनुमति देता है, जबकि उन्हें खनन पट्टा अवधि के दौरान इसके उपयोग के लिए वार्षिक मुआवजा मिलता रहता है। इस ढांचे को एक पारदर्शी, वैधानिक और न्यायसंगत व्यवस्था प्रदान करके औद्योगिक विकास के साथ-साथ भूमि स्वामियों के हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बैठक के दौरान साझा किए गए सांकेतिक अनुमानों के अनुसार, इस ढांचे के तहत भाग लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ लगभग 93,000 का वार्षिक मुआवजा मिल सकता है जो हर साल 5% से 7% तक बढ़ेगा, जबकि इसकी तुलना में औसत कृषि आय लगभग 25,000–30,000 प्रति एकड़ है। इसके साथ ही, लीज़ अवधि के दौरान अपनी भूमि पर उनका मालिकाना हक भी लगातार बना रहेगा।

अधिकारियों ने रेखांकित किया कि इस ढांचे के मुख्य उद्देश्य हैं:

खनन पट्टा अवधि के दौरान भूमि का मालिकाना हक किसानों के पास सुरक्षित रखना। वैधानिक मुआवजे के माध्यम से एक स्थिर और अनुमानित वार्षिक आय प्रदान करना। भूमि के अस्थायी उपयोग के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना। भूमि तक पहुँच के लिए एक पारदर्शी कानूनी ढांचा तैयार करके विवादों को कम करना। परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन को सुगम बनाना, जिससे क्षेत्र में निवेश, रोजगार के अवसर और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले।

इस अवसर पर बोलते हुए, डालमिया सीमेंट के एक प्रतिनिधि ने कहा: "भूमि केवल एक आर्थिक संपत्ति नहीं है; यह ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका, विरासत और पहचान का प्रतीक है। वार्षिक सतह मुआवजा ढांचा किसानों को अपनी भूमि का मालिकाना हक बनाए रखने और साथ ही क्षेत्र के आर्थिक विकास में भागीदार बनने में सक्षम बनाकर इन हितों की रक्षा करने का प्रयास करता है। हमारा उद्देश्य हर हितधारक द्वारा पूरी पारदर्शिता, निरंतर जुड़ाव और सोच-समझकर निर्णय लेना सुनिश्चित करना है।" कंपनी ने दोहराया कि वह कार्यान्वयन की पूरी प्रक्रिया के दौरान किसानों, स्थानीय समुदायों और जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी चिंताओं का समाधान पारदर्शी तरीके से और वैधानिक प्रावधानों के अनुसार किया जाए। वार्षिक सतह मुआवजा ढांचा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने के भारत सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह भूमि स्वामियों को औद्योगिक विकास में दीर्घकालिक भागीदार बनने में सक्षम बनाता है और साथ ही मध्य प्रदेश में जिम्मेदार खनिज विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देता है।

अजय गुप्ता का समय डीपीसी पद को लेकर जाना गया वहीं सुश्री किरण कौशिक ने संभाला पदभार

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र पन्ना (डीपीसी) का पद वर्तमान समय में शिक्षा के आधारभूत यानि की प्राथमिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा को लेकर अहम माना जाता है। साथ ही सर्वशिक्षा अभियान को लेकर जहां जिले में शिक्षा से संबंधित दिशा जो जिले की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा तय करने को लेकर भी महत्वपूर्ण है। साथ ही अजय कुमार गुप्ता का कार्यकाल डीपीसी पद को लेकर जाना गया। वहीं सुश्री किरण कौशिक अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय निवाड़ी से पन्ना जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र पन्ना का पदभार संभाल चुकी है। जिन्होंने अपनी प्राथमिकता भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राथमिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा को लेकर बयां की। निश्चितौर पर उम्मीदें सुश्री किरण कौशिक से समय के साथ जानी जायेगी।

पन्ना। सर्वशिक्षा अभियान जिला शिक्षा केन्द्र पन्ना के पदेन अध्यक्ष कहीं न कहीं मिशन के तौर पर कलेक्टर पन्ना तो होते ही है वहीं वित्तीय दायित्व को लेकर अपर संचालक शिक्षा यानि की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की भी महति जिम्मेदारी होती है। वहीं सर्वशिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक के रूप में डीपीसी जो कहीं न कहीं प्राथमिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा को लेकर अहम जिम्मेदारी से जुड़ा पद है। निश्चितौर पर शिक्षा ही विकास का आधार है। उसमें भी प्राथमिक शिक्षा जो जीवन में शिक्षा के क्षेत्र में नीव के रूप में जानी जाती है वहीं डीपीसी अजय कुमार गुप्ता का कार्यकाल इस पद को लेकर जिले में जाना गया निश्चित ही कहीं न कहीं अपनी प्रतिभा को लेकर अजय कुमार गुप्ता अपनी कार्यप्रणाली को लेकर ही जाने जाते है तत्परता से कार्य करने में वहीं पन्ना जिले में विगत दिवस डीपीसी के पद पर सुश्री किरण कौशिक ने पदभार संभाल लिया जो अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी निवाड़ी से पन्ना स्थानांरित होकर आई है। जब आपसे आपके दायित्वों के साथ-साथ प्राथमिकता को लेकर जाना गया तो आपने तत्परता से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राथमिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा को लेकर जिले में बेहतर आयाम तय हो सके। जिसके लिए अपनी सोच जाया की है। अब देखना यह है कि आगे आने वाला समय शिक्षा को लेकर जो आधार प्राथमिक शिक्षा वहीं माध्यमिक शिक्षा जो मध्य का पड़ाव तय करती है यहां से जीवन की राह शिक्षा के साथ-साथ आगे सफल आयाम तय करने को लेकर स्वमेव जानी जाती है। अब इसमें सुश्री किरण कौशिक का कार्यकाल पन्ना जिले में आगे आने वाले समय को लेकर कितनी दृढ़ता के साथ प्राथमिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा को लेकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर जाना जायेगा। यह निश्चित ही स्वर्णिम काल के सपने के तरह जरूर है। वहीं प्राथमिक शिक्षा जहां छात्र-छात्राओं की सुदृढ़ होगी तो निश्चित ही शिक्षा के आयाम जिले में बेहतर परिणाम को लेकर जाने जायेगे।

पहली ही बारिश में खुली नगर परिषद की तैयारियों की पोल, वार्ड 15 के घरों में घुसा पानी

पवई।

नगर परिषद पवई के वार्ड क्रमांक 15 स्थित तहसील चौराहे के पास पहली ही बारिश ने नगर परिषद की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। अंबेडकर पार्क से लेकर तहसील चौराहे तक कई घरों में बारिश का पानी घुस गया, जिससे रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, हल्की बारिश होते ही सड़क पर जलभराव की स्थिति बन जाती है और पानी सीधे घरों में प्रवेश कर जाता है। इससे घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा है और लोगों की दैनिक दिनचर्या भी प्रभावित हुई है। रहवासियों ने नगर परिषद प्रशासन से क्षेत्र की नालियों की तत्काल सफाई कराने एवं स्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते उचित व्यवस्था नहीं की गई तो आगामी बारिश में स्थिति और गंभीर हो सकती है। पहली ही बारिश में सामने आई इस समस्या ने नगर परिषद की मानसून तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस समस्या के समाधान के लिए कितनी जल्दी प्रभावी कदम उठाता है।

खबर संक्षेप

दक्षिण पन्ना वनमंडल की सलेहा रेंज में पांच एकड़ वन भूमि अतिक्रमण मुक्त कर कंटूर ट्रेंच का किया निर्माण

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल के सलेहा वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीट सलेहा के कक्ष 749 में लगभग 2 हेक्टेयर (5 एकड़) वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। अतिक्रमण हटाने के तुरंत बाद भूमि संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मौके पर कंटूर ट्रेंच (समोच्च खाई) का निर्माण भी कराया गया, जिससे भविष्य में वन भूमि का संरक्षण तथा प्राकृतिक पुनर्जीवन सुनिश्चित हो सके। यह कार्रवाई वन परिक्षेत्र अधिकारी जीतू सिंह बघेल के निर्देशन में संपन्न हुई। अभियान में परिक्षेत्र सहायक दिलीप सिंह, बीट प्रभारी प्रीति दुबे तथा वन अमले के सदस्य उमादत्त द्विवेदी, अनिल त्रिपाठी, उदय सिंगरौल एवं प्रद्युम्न तिवारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग में एक दर्जन कर्मचारियों के स्थानांतरण

पन्ना। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जून माह में कर्मचारियों के स्थानांतरण किए गए हैं जिसमें स्थानीय स्तर पर पन्ना स्वास्थ्य विभाग के एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों को इधर से उधर किया गया है जिसमें श्रीमती राशि पांडे बीईओ को स्वास्थ्य केंद्र पवई से स्वास्थ्य केंद्र देवेंद्रनगर, जानकी गोंड उप स्वास्थ्य केंद्र कोरिटपुर से उप स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मीपुर श्रीमती कमलेश ठाकुर एएनएम उप स्वास्थ्य केंद्र बेलगाड़ी से जिला चिकित्सालय पन्ना। श्रीमती उमा देवी लोध एएनएम स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुर से जिला चिकित्सालय पन्ना। श्रीमती गिरिजा तिवारी एएनएम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रकसेहा से जिला चिकित्सालय पन्ना। श्रीमती द्रौपदी चौरसिया। एएनएम शहरी स्वास्थ्य केंद्र धरम सागर से जिला चिकित्सालय पन्ना। रमेश अहिरवार एमपीडब्ल्यू उप स्वास्थ्य केंद्र बराछ से उप स्वास्थ्य केंद्र महेवा अमानगंज। अबरार बेग सहायक ग्रेड 3 मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बराछ। आकाश सकवार वार्ड वाय स्वास्थ्य केंद्र बराछ से प्रशिक्षण केंद्र पन्ना श्रीमती सुष्मिता गोस्वामी एएनएम सकरिया से शहरी स्वास्थ्य केंद्र पन्ना श्रीमती सुनीता सनोडिया नरसिग ऑफिसर जिला चिकित्सालय पन्ना से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बोरी शाहनगर श्रीमती प्रियंका अहिरवार नर्सिंग ऑफिसर शहरी स्वास्थ्य केंद्र धरम सागर से जिला चिकित्सालय पन्ना श्रीमती चंचलजीत कौर नर्सिंग ऑफिसर जिला चिकित्सालय पन्ना से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धरम सागर पन्ना।

सटोरिया के दो लाख रूपए चुकाने के बाद भी रंगदारी से परेशान युवक ने खाई सल्फास

हटा। क्षेत्र में सट्टा का खेल चरम पर है पुलिस द्वारा भले ही छुटपुट करवाई की जाती रही हो लेकिन सट्टा जुआ से बर्बाद युवाओं को मजबूरी में कर्ज लेने कर्ज नहीं चुका पाने पर ब्याज पर ब्याज देकर बर्बाद होने के हालात सामने आ रहे हैं। ऐसी कुछ स्थिति के चलते एक युवक के द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन करके अपने जीवन लीला समाप्त करने के प्रयास किए जाने का मामला हटा में सामने आया है जहां नगरीय क्षेत्र में चंडी जी वार्ड निवासी 32 वर्षीय युवक विकास पिता कुंदन कुमार ने सट्टे के कर्ज से परेशान होकर सेल्फास का सेवन कर लिया जिसे तुरंत ही इलाज हेतु सिविल अस्पताल हटा ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार उपरांत हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां विकास ने बताया कि मुन्नालाल अठया और राजेश मांझी सट्टा लेनदेन को लेकर आए दिन रूपयो की मांग करके परेशान कर प्रताड़ित कर रहे है। जबकि वह अभी तक दोनों को करीब 2 लाख रुपये दे चुका है, फिर भी बार-बार रुपयों की मांग कर रहे हैं. विकास ने बताया कि राज चंदेल से पेटी उठाई थी, जिसके अभी तक 15 हजार रुपये दे चुका है और शेष पैसों की मांग की जा रही है। विगत दो-तीन सप्ताह से तीनों पैसे मांग रहे हैं और मारने की धमकी दे रहे हैं। इसी परेशानी के चलते गुरुवार को सेल्फास का सेवन कर लिया।

वन कर्मियों ने किया शासकीय कन्या हाई स्कूल मोहन्द्रा से धामन सर्प का सुरक्षित रेस्क्यू, वन क्षेत्र में छोड़ा

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल के मोहन्द्रा वन परिक्षेत्र अंतर्गत शासकीय कन्या हाई स्कूल, मोहन्द्रा परिसर में एक धामन (रॅट स्नेक) सर्प दिखाई देने की सूचना पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुँची। टीम ने पूर्ण सावधानी एवं सुरक्षित तरीके से सर्प का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे उसके प्राकृतिक आवास वाले सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया। इस दौरान विद्यालय परिसर में उपस्थित विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को सर्पों के प्रति जागरूक भी किया गया। रेस्क्यू अभियान में वनरक्षक जय प्रकाश नारायण दुबे, वनरक्षक हरिशंकर अहिरवार तथा सुरक्षा श्रमिक की सक्रिय भूमिका रही। धामन एक पूर्णतः विषहीन एवं मानव के लिए हानिरहित सर्प है। यह चूहों की संख्या नियंत्रित कर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने तथा फसलों एवं खाद्यान्न की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए ऐसे सर्प दिखाई देने पर उन्हें नुकसान पहुँचाने के बजाय तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

सवालों या आरोपों का पर्दाफास आखिरकार कौन करेगा

कैसे शासन की राशि लग जाती है इसके बाद सवाल खड़े होते हैं, आखिर जिम्मेदार जमीनी स्तर पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन कब सजग होकर करेंगे

शाहनगर

शासन-प्रशासन के कड़े निर्देश हैं कि शासकीय मद से कोई भी निर्माण कार्य किसी की निजी स्वामित्व (स्वत्व) की भूमि पर नहीं किया जा सकता। यदि ऐसा होता है, तो निर्माण एजेंसी स्वयं जिम्मेदार होगी और शिकायत मिलने पर राशि वसूली योग्य होगी। लेकिन शाहनगर तहसील के ग्राम परासी से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने पंचायती राज और प्रशासनिक पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्राम परासी का श्शाम निस्तारी तालाब इस समय विवादों के केंद्र में है। आरोप है कि जिस तालाब को ग्रामीणों के निस्तार (रोजमर्रा के उपयोग) के लिए शासन के लाखों रुपए फूंक दिए गए, उस पर अब पट्टेधारी रैकवार समाज का कब्जा हो गया है, जिससे दलित और आदिवासी वर्ग का निस्तार पूरी तरह बंद हो गया है। आदिवासी दलित क्रांति सेना (बुंदेलखंड) के कार्यकर्ताओं द्वारा जुटाई गई जानकारी के अनुसार, इस जमीन की कहानी बेहद उलझी हुई है। दान और गुमशुदा दस्तावेजरू यह जमीन पूर्व में शितवारी जीश नाम के व्यक्ति की थी, जिन्होंने मौखिक रूप से या दानपत्र के जरिए इसे पंचायत को दिया था। लेकिन वह दानपत्र अब गुम हो चुका है।

जमीन की खरीद-बिक्री-

दानपत्र गायब होने का फायदा उठाकर तिवारी के भाई ने यह जमीन अपने दामाद श्उरमलिया जीश को बेच दी। इसके बाद उरमलिया जी ने यह जमीन श्राधा रानी रैकवार को बेच दी। वर्तमान में राधा रानी रैकवार तालाब के उस अंश भाग से पानी की निकासी कर रही हैं, जो कागजों पर उनके नाम दर्ज है। जबकि ग्रामीणों के अनुसार शेष भूमि शासकीय है। हैरानी की बात यह है कि जब जमीन निजी हाथों में जा रही थी, तब ग्राम पंचायत सोई हुई थी। इस विवादित भूमि पर पहले राहत कार्य के तहत मिट्टी डालकर तालाब का निर्माण कराया गया। इसके बाद ग्राम पंचायत ने एक या दो नहीं, बल्कि तीन बार तालाब के गहरीकरण और मेढ़ पर मिट्टी भराई का कार्य शासकीय मद से कराया। अगर यह जमीन किसी प्राइवेट किसान या पट्टेधारी की थी, तो शासन के नियमों को ताक पर रखकर इस पर लाखों रुपए की सरकारी राशि क्यों और किसकी अनुमति से बहाई गई। इस गंभीर लापरवाही और ग्रामीणों के हक पर डाके के खिलाफ आदिवासी दलित क्रांति सेना (बुंदेलखंड) ने आर-पार की लड़ाई का एलान कर दिया है। संगठन का साफ कहना है कि प्रशासन को इस पूरे घालमेल का जवाब परासी में आयोजित होने वाली श्आंदोलन महापंचायतश में देना होगा। महापंचायत की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। ग्राम पंचायत परासी के आदिवासी और दलित वर्ग ने जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए दो टूक मांग की है। दोषियों से हो वसूलीरू शासन की जो लाखों रुपए की राशि इस निजी/विवादित भूमि पर बर्बाद हुई है, उसकी उच्च स्तरीय जांच हो और दोष सिद्ध होने पर दोषी सरपंच, सचिव व निर्माण एजेंसी से पाई-पाई वसूली जाए। निस्तार का हक वापस मिलेरू इस निस्तारी तालाब पर बिना किसी अवरोध के तुरंत गांव वालों को सौंपा जाए ताकि गरीबों का निस्तार बहाल हो सके। अब देखना यह है कि पन्ना जिला प्रशासन इस गंभीर भ्रष्टाचार और पट्टे के खेल पर क्या संज्ञान लेता है, या फिर ग्रामीणों को उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, बॉन्ड डॉक्टरों के भरोसे अस्पताल, झोलाछाप डॉक्टरों का बढ़ता कारोबार सड़क दुर्घटना का मामला और जनप्रतिनिधियों पर सवाल सभी को समाहित किया गया

अमानगंज की स्वास्थ्य व्यवस्था भगवान भरोसे तीन दशक से विशेषज्ञ डॉक्टरों का इंतजार, बॉन्ड डॉक्टरों के सहारे अस्पताल, झोलाछाप काट रहे चांदी

सड़क हादसे में घायल युवक दो घंटे तक तड़पता रहा, न समय पर इलाज मिला, न एम्बुलेंस; जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर जनता में आक्रोश

अमानगंज। अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर कठघरे में है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि करीब तीन दशक बीत जाने के बावजूद अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं हो सकी है। अस्पताल की व्यवस्था अधिकांशतः बॉन्ड डॉक्टरों के भरोसे चल रही है, जबकि गंभीर मरीजों को समय पर समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा।
हालात ऐसे बन गए हैं कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की कमजोरी का लाभ उठाकर झोलाछाप डॉक्टर खुलेआम चांदी काट रहे हैं और मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। ताजा मामला अमानगंज क्षेत्र के डडवालपुरा गांव का है, जहां सड़क दुर्घटना में एक आदिवासी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों का आरोप है कि युवक का पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त था, लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उसे लगभग दो घंटे तक समुचित उपचार नहीं मिल सका। इस दौरान न तो समय पर 108 एम्बुलेंस उपलब्ध हुई और न ही विशेषज्ञ चिकित्सक। अंततः परिजनों ने समाजसेवी जय हिंद भदौरिया की मदद से निजी वाहन की व्यवस्था कर घायल को बेहतर उपचार के लिए अन्य अस्पताल रेफर कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में वर्षों से विशेषज्ञ डॉक्टरों का अभाव है। समय पर इलाज न मिलने के कारण मरीजों को निजी अस्पतालों या झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाने को मजबूर होना पड़ता है। बिना मान्यता के इलाज कर रहे कई कथित झोलाछाप डॉक्टर इस मजबूरी का फायदा उठाकर मोटी रकम वसूल रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित नजर आती है। सबसे बड़ा सवाल जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर उठ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब अमानगंज की जनता इलाज के अभाव में परेशान है, तब कोई जनप्रतिनिधि उद्योगों के उद्घाटन में फीता काटने में व्यस्त दिखाई देता है, तो कोई जन्मदिन समारोहों और स्वागत कार्यक्रमों में। लेकिन वर्षों से बदहाल पड़े सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करने, विशेषज्ञ डॉक्टरों की मांग उठाने या स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए प्रभावी पहल करने की फुर्सत किसी के पास नहीं है। जनता पूछ रही है कि आखिर जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता जनता का स्वास्थ्य है या केवल राजनीतिक कार्यक्रम? क्षेत्रवासियों ने पन्ना जिले की कलेक्टर से मांग की है कि अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित पर्याप्त चिकित्सा स्टाफ की तत्काल नियुक्ति की जाए, आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाए, 108 एम्बुलेंस की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो इलाज के अभाव में लोगों की जान जाती रहेगी और इसकी जिम्मेदारी व्यवस्था से जुड़े जिम्मेदारों पर होगी।

कांग्रेस पार्टी ने राम मंदिर चंदा चोरी, मुख्यमंत्री का भूमि घोटाला, किसानों की समस्याएं, पेपर लीक, भ्रष्टाचार तथा स्थानीय मुद्दों को लेकर की पत्रकार वार्ता

पन्ना। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालय में कांग्रेस पार्टी द्वारा पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई इसी कड़ी में जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के अध्यक्ष अनीश खान की उपस्थिति में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा भेजे गए विभिन्न मुद्दों पर पत्रकारों के माध्यम से आम जनता तक पहचाने के संबंध में प्रेस वार्ता की गई प्रेस वार्ता के दौरान अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चंदा चोरी को लेकर कहा गया कि यह आम लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ है जिस प्रकार से करोड़ों रुपए की चंदा चोरी की गई है तथा आरोपियों को बचाने का प्रयास भाजपा की केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है यह और ही निंदनीय है उक्त मामले के दोषियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा कड़ी से कड़ी सजा दी जाए जिससे लोगों की आस्था आहत ना हो। आए दिन देश में युवाओं के साथ छलावा किया जा रहा है विगत वर्षों में एक सैकड़ा से अधिक पेपर लीक हुए हैं जिसमें सैकड़ों छात्र आत्महत्या कर चुके हैं पेपर लीक मामले के दोषियों को कड़ी सज़ा मिलना चाहिए तथा आगामी समय में पारदर्शी पूर्ण तरीके से परीक्षाएं आयोजित की जाए। इसके साथी देश के किसान खाद बीज की समस्या से जूझ रहे हैं उनकी फसल का उचित दाम नहीं मिल रहा है खाद की कालाबाजारी से किसानों की समय से बोनी नहीं हो पाती किसानों को उर्वरक लेने के लिए भी विभिन्न प्रकार के नियम कानून बना दिए गए हैं जिससे किसान भारी परेशान है। उज्जैन में मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा भूमि घोटाला किया गया है उक्त मामले की पारदर्शी पूर्ण तरीका से जांच होना चाहिए। जिससे मुख्यमंत्री के ऊपर लगे आरोप स्पष्ट हो सके मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा मनमाने ढंग से जमीनों की खरीदी की गई तथा उन्हें ऊंचे दामों में विक्रय करने का प्लान तैयार किया गया है उक्त मामले की जांच होना। कांग्रेस पार्टी द्वारा सभी मुद्दों को लेकर प्रत्येक जिला मुख्यालय ब्लॉक मुख्यालय में चरणबद्ध आंदोलन चलाकर केंद्र तथा प्रदेश सरकार के काले कारनामों को आगामी समय में उजागर करेगी। कांग्रेस पार्टी के जो कार्यक्रम तय किए गए हैं उसमें पत्रकार वार्ता छात्रों की गूंज अभियान मुख्यमंत्री निवास का घेराव एवं विधानसभा में सभी मामले उठाए जाएंगे। पत्रकार वार्ता के दौरान अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश तिवारी ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती रमा बुंदेला पुरुषोत्तम जड़िया मुरारी लाल थापक प्रवक्ता दीपक तिवारी अंकित शर्मा राजबहादुर पटेल शशीकांत दीक्षित मार्तंड देव बुंदेला कदीर खान राकेश शर्मा भोला कुशवाहा सुरेंद्र सिंह सहित आदि लोग शामिल रहे।

जे.के. सीमेंट के 'लाला कमलापत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर' का लोकार्पण
सांसद बोले सार्थक शिक्षा से होता है उन्नत समाज का निर्माण

पन्ना।

जे.के. सीमेंट संस्थान द्वारा पन्ना जिले की अमानगंज तहसील के हरदुआ केन ग्राम में नवनिर्मित 'लाला कमलापत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर' का भव्य लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में खजुराहो सांसद विष्णुदत्त (बी.डी.) शर्मा, पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा, जे.के. सीमेंट के प्रबंध निदेशक डॉ. राघवपत सिंघानिया सहित जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सांसद बी.डी. शर्मा ने कहा कि "सार्थक शिक्षा ही उन्नत समाज का सृजन करती है। वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थानों की स्थापना अत्यंत आवश्यक है।" उन्होंने जे.के. सीमेंट की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा। पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने विधानसभा क्षेत्र को मिली इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए जे.के. सीमेंट का आभार व्यक्त किया। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा ने कहा कि सीमेंट संयंत्र की स्थापना से क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं और अब उत्कृष्ट शिक्षा के लिए आधुनिक विद्यालय की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है, जो जिले के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जे.के. सीमेंट के प्रबंध निदेशक डॉ. राघवपत सिंघानिया ने कहा कि "शिक्षित व्यक्ति ही सशक्त राष्ट्र की नींव होता है।" उन्होंने बताया कि जे.के. सीमेंट की पन्ना इकाई के कर्मचारियों ने संस्थान की प्रगति में अमूल्य योगदान दिया है और संस्थान उनके तथा उनके परिवारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। अतिथियों ने विद्यालय का अवलोकन किया, विद्यालय परिवार से भेंट की तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के अंत में जे.के. सीमेंट संस्थान की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि इस आधुनिक शिक्षा केंद्र से पन्ना जिले के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा और क्षेत्र के शैक्षणिक विकास को नई दिशा प्राप्त होगी।

2.0 अभियान के दशम दिवस धार्मिक स्थलों एवं सामुदायिक केंद्रों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पन्ना। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्य स्तरीय साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान ष्ैस्थ् ब्स्प्ब्ज्ञ-2026 2.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में अभियान के दशम दिवस (03 जुलाई 2026) जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में धार्मिक एवं सामुदायिक जागरूकता विषय पर व्यापक साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, चर्चों, धार्मिक स्थलों, सामुदायिक भवनों, पंचायत भवनों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आमजन को साइबर अपराधों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रमों में धार्मिक आयोजनों एवं सामुदायिक सभाओं में उपस्थित श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक उद्घोषणा (च्नइसपब ।ककतमै लेजमउ) के माध्यम से साइबर अपराधों से बचाव संबंधी संदेश प्रसारित किए गए तथा आमजन को बताया गया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, फर्जी पुलिस एवं सरकारी अधिकारी बनकर कॉल करना, केवाईसी अपडेट, बैंक खाता बंद होने, बिजली बिल, गैस कनेक्शन, ऑनलाइन निवेश, टास्क फ्रॉड, ऑनलाइन लोन, फर्जी जॉब ऑफर, सोशल मीडिया हैकिंग, व्हाट्सएप एवं फेसबुक अकाउंट क्लोनिंग, ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड, स्क्रीन शेयरिंग एप एवं संदिग्ध लिंक अथवा ।च्ज्ञ फ़ाइलों के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। नागरिकों को विशेष रूप से समझाया गया कि कोई भी पुलिस अधिकारी, सीबीआई, ईडी, न्यायालय अथवा अन्य सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से ष्डिजिटल अरेस्टष् नहीं करती। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को अधिकारी बताकर डराने, धमकाने अथवा धनराशि ट्रांसफर करने का दबाव बनाता है, तो उसकी बातों में न आएं और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। अभियान के दौरान धार्मिक स्थलों एवं सामुदायिक केंद्रों में साइबर सुरक्षा संबंधी पेम्फलेट एवं जागरूकता सामग्री का वितरण किया गया। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें बताया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के कहने पर ओटीपी, यूपीआई पिन, सीवीवी, बैंकिंग पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें, किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें तथा अज्ञात स्रोत से प्राप्त किसी भी एप अथवा ।च्ज्ञ फ़ाइल को डाउनलोड न करें। इसके साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि साइबर सुरक्षा केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व भी है।

खबर संक्षेप

आकाशीय बिजली गिरने से 2 आदिवासी युवकों की मौत

छतरपुर। जिले की घुवारा तहसील अंतर्गत ग्राम सौरखी में गुरूवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। बान सुजारा बांध क्षेत्र में मछली पकडऩे गए दो आदिवासी युवकों की आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना से गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार गुरूवार शाम करीब साढ़े चार बजे ग्राम सौरखी के पांच-छह आदिवासी ग्रामीण धसान नदी पर बने बान सुजारा बांध में मछली पकडऩे गए थे। इसी दौरान क्षेत्र में तेज बारिश शुरू हो गई। सभी लोग घर लौटने लगे, लेकिन रास्ते में एक नाले में पानी अधिक होने के कारण चार लोग दूसरे रास्ते से निकल गए, जबकि दो युवक दूसरे मार्ग से आगे बढ़ रहे थे। बारिश तेज होने पर दोनों युवक एक पेड़ के नीचे रुक गए। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली पेड़ के पास गिरी, जिसकी चपेट में आने से कनई आदिवासी (पिता कन्छेदी आदिवासी) एवं चरन आदिवासी (पिता भैयालाल आदिवासी), निवासी ग्राम विश्वां, की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे पेड़ के नीचे खड़े उनके साथ के 4 लोगों को कोई नुकसान नहीं होना बताया जा रहा। घटना की सूचना मिलते ही घुवारा तहसीलदार प्रीतम सिंह एवं पुलिस टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

90 वर्षीय वृद्ध रेल यात्रा के दौरान लापता, परिजनों ने लोगों से की तलाश में सहयोग की अपील

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम बसारी निवासी 90 वर्षीय सुर्रा अहिरवार 26 जून 2026 की सुबह करीब 6 बजे पैसेंजर ट्रेन से अपने पुत्र बिहारी लाल से मिलने भोपाल के लिए रवाना हुए थे। जानकारी के अनुसार वह ललितपुर रेलवे स्टेशन पर उतरे, जहां रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों में उनकी मौजूदगी भी दिखाई दी। इसके बाद वे न तो भोपाल पहुंचे और न ही वापस अपने घर लौटे। परिजनों ने बताया कि घटना के बाद से उनकी लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं लग सका है। परिवारजन काफी चिंतित हैं और आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को सुर्रा अहिरवार कहीं दिखाई दें या उनके संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल परिजनों को सूचित करें। परिजनों ने लोगों से मानवीय आधार पर सहयोग करने की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर पुत्र बरेलाल अहिरवार के मोबाइल नंबर 7389363985 एवं 9399772546 पर संपर्क करें, ताकि वृद्ध को सकुशल उनके परिवार तक पहुंचाया जा सके।

झाड़-फूंक के चक्कर में गई युवक की जान, जहरीले सर्प के काटने से 20 वर्षीय युवक की मौत

छतरपुर। जिले के चंदला थाना क्षेत्रमें जहरीले सर्पके काटने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। परिजनों द्वारा समय पर अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने के कारण उपचार में देरी हुई, जिससे युवक की जान नहीं बचाई जा सकी। यह घटना अंधविश्वास के दुष्परिणाम का एक और उदाहरण बनकर सामने आई है। चंदला थाना क्षेत्रनिवासी नीरज रैकवार (20) को शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे खेत के पास किसी जहरीले जीव, संभवतः सर्प, ने काट लिया। परिजनों के मुताबिक घटना के बाद युवक को तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय पहले झाड़-फूंक कराई गई। इस दौरान काफी समय बीत गया और युवक की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। जब हालत गंभीर हो गई तो परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

पंचनामा में अतिक्रमण, विभागीय रिपोर्ट में सब ठीक! मंगलम होटल जांच में बड़ा खेल?

जांच एक, रिपोर्ट दो: मंगलम होटल मामले में विभाग आमने-सामने

नौगांव।

जगतसागर तालाब की नहर पर कथित अतिक्रमण कर बनाए गए 'द मंगलम' होटल के बहुचर्चित मामले में एसडीएम नौगांव की जांच के दौरान सामने आए दस्तावेजों ने पूरे प्रकरण को उलझा दिया है। एक ओर संयुक्त निरीक्षण के बाद तैयार पंचनामा और राजस्व निरीक्षक की रिपोर्ट में नहर पर अतिक्रमण, निर्माण कार्य और अन्य अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है, वहीं दूसरी ओर नगर पालिका परिषद और जल संसाधन विभाग ने अपने प्रतिवेदन में अलग तस्वीर पेश करते हुए कई बिंदुओं पर राहत देने वाले निष्कर्ष दिए हैं। इन विरोधाभासी रिपोर्टों से जांच प्रक्रिया और विभागीय जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामले की शिकायत कलेक्टर पार्थ जायसवाल से की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि इंजीनियरिंग कॉलेज के सामने स्थित 'द मंगलम' होटल के निर्माण में शासकीय भूमि, जगतसागर तालाब की नहर तथा सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। शिकायत टीएल में दर्ज होने के बाद जांच एसडीएम नौगांव को सौंपी गई।

एसडीएम ने 11 जून को लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, नगर पालिका परिषद और शिक्षा विभाग सहित संबंधित विभागों से तथ्यात्मक प्रतिवेदन मांगे। कुछ प्रतिवेदन अस्पष्ट पाए जाने पर विभागों को स्मरण-पत्र जारी कर दोबारा स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। लोक निर्माण विभाग की प्रारंभिक रिपोर्ट पर स्वयं एसडीएम ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि रिपोर्ट में "अतिक्रमण प्रदर्शित हो रहा है" जैसे शब्दों से स्थिति स्पष्ट नहीं हो रही है, इसलिए संशोधित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। संयुक्त निरीक्षण में दर्ज हुए अतिक्रमण के तथ्य शिकायत के बाद राजस्व, लोक निर्माण, जल संसाधन, नगर पालिका और अन्य विभागों के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद तैयार पंचनामा में उल्लेख किया गया कि मौके पर नहर की चौड़ाई लगभग 50 फीट है तथा होटल के सामने सड़क सीमा से लगे हिस्से में बाउंड्रीवाल, फर्श, पेवर्स सहित अन्य निर्माण अतिक्रमण की श्रेणी में पाए गए। पंचनामा में यह भी दर्ज किया गया कि होटल का गंदा पानी नहर की ओर बह रहा था। राजस्व निरीक्षक द्वारा एसडीएम को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में भी पंचनामा के अनुरूप अतिक्रमण और मौके की स्थिति का विस्तृत उल्लेख किया गया है।

विभागीय प्रतिवेदन में बदली तस्वीर

संयुक्त निरीक्षण के विपरीत नगर पालिका परिषद ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि होटल का निर्माण स्वीकृत नक्शे के अनुसार किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार भवन सड़क से लगभग 75 फीट दूर स्थित है तथा नगर पालिका के अभिलेखों में जगतसागर तालाब की नहर का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। साथ ही होटल का गंदा पानी सोख पिट में छोड़े जाने का उल्लेख किया गया है।

वहीं जल संसाधन विभाग ने अपने प्रतिवेदन में बताया कि जगतसागर तालाब की नहर खसरा नंबर 2540 से निकलती है, जबकि शिकायत में उल्लिखित भूमि खसरा नंबर 2545 है। विभाग ने यह भी स्वीकार किया कि नहर से संबंधित पुराने भूमि अधिग्रहण के अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं और वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए सीमांकन आवश्यक होगा।

शिक्षा विभाग ने स्वीकारी अनुमति न लेने की बात -

शिक्षा विभाग ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि होटल संचालक की पत्नी, जो शासकीय शिक्षिका हैं, ने संपत्ति क्रय करने से पूर्व विभाग से पृथक अनुमति नहीं ली थी। हालांकि विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि संबंधित कर्मचारी ने अपनी सेवा पुस्तिका और विभागीय पोर्टल पर संपत्ति का विवरण दर्ज किया था, इसलिए विभाग को जानबूझकर गुमराह करने जैसी स्थिति नहीं पाई गई। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब संयुक्त निरीक्षण के पंचनामा और राजस्व रिपोर्ट में अतिक्रमण का उल्लेख है, तब नगर पालिका और जल संसाधन विभाग के प्रतिवेदन उससे भिन्न निष्कर्ष कैसे प्रस्तुत कर रहे हैं। विरोधाभासी रिपोर्टों के कारण अब यह मामला केवल अतिक्रमण की जांच तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विभागीय जवाबदेही और जांच की पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लग गए हैं। अब निगाहें जिला प्रशासन के अंतिम निर्णय पर हैं कि वह पंचनामा, राजस्व रिपोर्ट और विभागीय प्रतिवेदनों में किसे आधार मानता है तथा क्या वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए दोबारा सीमांकन या उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी।

शराब ठेके के सामने दुकानदार से मारपीट दो युवकों पर जानलेवा हमले का आरोप

छतरपुर। शहर के चौबे तिगड्डा स्थित शराब ठेके के सामने देर रात मारपीट की घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार, गुटखा-पानी की दुकान पर तीन युवक एक ही मोटरसाइकिल से पहुंचे। बताया जा रहा है कि उनमें से दो युवक नशे की हालत में थे। उन्होंने दुकानदार से सामान लिया और जब दुकानदार ने पैसे मांगे तो दोनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपियों ने दुकानदार पर जानलेवा हमला करने की भी कोशिश की। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और लोगों में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की जल्द पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच कर आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

15 वर्षीय किशोरी ने जहरीले पदार्थ का सेवन किया, इलाज के दौरान मौत

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम गौरेया में शुक्रवार को एक 15 वर्षीय किशोरी की जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत हो गई। घटना के बाद परिजन उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम गौरेया निवासी बालादीन अहिरवार ने बताया कि गुरूवार को परिवार के सभी सदस्य खेत पर काम करने गए हुए थे। जब वे वापस घर लौटे तो उनकी 15 वर्षीय बेटी की तबीयत बिगड़ी हुई थी और उसे लगातार उल्टियां हो रही थीं। परिजनों ने बिना देर किए उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि किशोरी ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया था, हालांकि उसने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया और इसके पीछे क्या कारण थे, इसका अभी खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

झाड़-फूंक के भरोसे गंवाई जान, सांप के काटने से वृद्ध की मौत

छतरपुर। नौगांव थाना क्षेत्र के ग्राम दोनी निवासी 71 वर्षीय टरिया कुशवाहा की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार वृद्ध गुरूवार सुबह करीब 5 बजे अपने घर की दुगई में सो रहे थे, तभी उन्हें एक जहरीले सांप ने काट लिया। होश आने पर उन्होंने स्वयं परिजनों को सांप के काटने की जानकारी दी। घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने ग्राम सिमरदा ले गए। वहां झाड़-फूंक कराई गई, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद परिजन शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे उन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल छतरपुर लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर राजकुमार अवस्थी ने जांच के बाद वृद्ध को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एसडीओपी कार्यालय में 42 गुम मोबाइल उनके मालिकों को लौटाए गए

लवकुशनगर। छतरपुर जिले के लवकुशनगर एसडीओपी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने सराहनीय पहल करते हुए 42 गुम हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। लंबे समय बाद अपने मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और उन्होंने पुलिस विभाग के इस प्रयास की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन की शिकायत मिलने के बाद तकनीकी माध्यमों से उनकी तलाश की गई। लगातार प्रयासों के बाद बरामद किए गए 42 मोबाइलों की पहचान कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपा गया। इस अवसर पर पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि यदि उनका मोबाइल गुम हो जाए या चोरी हो जाए तो बिना देरी किए संबंधित थाने में इसकी सूचना दें। समय पर शिकायत दर्ज होने से मोबाइल की बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है और पुलिस भी शीघ्र कार्रवाई कर सकती है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आमजन की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गुम हुए मोबाइलों की तलाश और उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने का अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। इस पहल से पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना और अधिक मजबूत हुई है।

विश्वविद्यालय में पत्रकारिता कोर्स शुरू करने की मांग, छात्रों ने कुलगुरु को सौंपा आवेदन

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के डिप्लोमा इन पत्रकारिता के छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में पत्रकारिता के उच्च स्तरीय कोर्स शुरू कराने की मांग को लेकर कुलगुरु व कुलसचिव को एक शिकायती आवेदन सौंपा है। छात्र प्रतिनिधि अश्विनी मिश्रा, पवन पटेल और अन्य सहयोगियों ने आवेदन देते हुए कहा कि वर्तमान समय में मीडिया एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अपार अवसर मौजूद हैं। ऐसे में बुंदेलखंड क्षेत्र के युवाओं के हित को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में बैचलर ऑफ जर्नलिज्म और मास्टर ऑफ जर्नलिज्म के कोर्स तत्काल प्रारंभ किए जाने चाहिए। छात्रों ने बताया कि बीजे कोर्स पिछले वर्ष ही अनुमोदित हो चुका है और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित हो रहा है, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण इसे अब तक शुरू नहीं किया जा सका है। छात्रों ने कुलगुरु से मांग की है कि युवाओं को करियर बनाने का बेहतर मौका देने और विश्वविद्यालय की गरिमा बढ़ाने के लिए इन दोनों रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से ही अनिवार्य रूप से शुरू करने के निर्देश दिए जाएं।

पैतृक भूमि पर कब्जे का आरोप, किसान ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

छतरपुर। ग्राम हिम्मतपुरा निवासी मुन्नी आदिवासी ने अपनी पैतृक कृषि भूमि पर कथित अवैध कब्जे को लेकर शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपते हुए आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर भूमि को कब्जामुक्त कराने और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

आवेदन के अनुसार, मौजा हिम्मतपुरा स्थित खसरा नंबर 698 की भूमि राजस्व अभिलेखों में उसके नाम दर्ज है तथा वर्षों से उसका उस पर कब्जा रहा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गांव के ही देशराज अहिरवार और मोनी अहिरवार ने उक्त भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया है। जब वह खेत में बुआई करने पहुंचता है तो उसे रोका जाता है, गाली-गलौज की जाती है और जान से मारने की धमकी दी जाती है।

पीड़ित ने बताया कि इस मामले में तहसीलदार द्वारा 31 मई 2024 को भूमि के सीमांकन का आदेश भी जारी किया गया था, लेकिन आदेश के बाद भी कथित कब्जा नहीं हटाया गया। उसने यह भी कहा कि इस संबंध में पहले पुलिस चौकी पड़रिया और थाना सटई में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। मुन्नी आदिवासी ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने, भूमि को कब्जामुक्त कराने तथा भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचाव के लिए सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

डॉ. मांडवी साहू के पिता ने लगाया जमीन पर कब्जे व धमकी का आरोप, एसपी-कलेक्टर से मांगी सुरक्षा

छतरपुर।

शहर में जमीन विवाद का मामला एक बार फिर चर्चा में है। डॉ. मांडवी साहू के पिता द्वारका प्रसाद साहू ने पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर एवं ओरछा रोड थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपकर आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री के नाम दर्ज प्लॉट पर कुछ लोगों द्वारा जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से वैधानिक निर्माण कार्य के दौरान पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, डॉ. मांडवी साहू ने 9 सितंबर 2008 को पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से संबंधित प्लॉट खरीदा था। द्वारका प्रसाद साहू का कहना है कि प्लॉट की चौहद्दी के अनुसार पहले ही पिलर एवं कच्ची बाउंड्री का निर्माण कराया जा चुका था। उन्होंने बताया कि अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) छतरपुर द्वारा 18 जून 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में 21 जून 2026 से दोबारा निर्माण कार्य शुरू किया गया।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि निर्माण शुरू होते ही सरताज निजामी, मुहम्मद शहनबाज, मुवीन हुसैन, रिजवान राइन सहित कुछ अन्य लोग मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य रुकवा दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 25 जून तक कार्य

रोकने की सलाह दी गई, जिससे मजदूरों, जेसीबी मशीन एवं अन्य संसाधनों का भुगतान करना पड़ा और आर्थिक नुकसान हुआ।

द्वारका प्रसाद साहू के अनुसार, 25 जून को दोबारा निर्माण शुरू करने पर विरोध करने वाले लोग फिर मौके पर पहुंच गए और काम रुकवा दिया। उन्होंने डायल-112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई। शिकायत के मुताबिक, दूसरी ओर से 30 जून तक का समय मांगा गया और पुलिस ने एक बार फिर शांति बनाए रखने के लिए निर्माण कार्य रोकने की सलाह दी।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी विरोध नहीं रुका। उनका कहना है कि संबंधित लोगों ने जेसीबी से पिलर तोडऩे का प्रयास किया, जान से मारने की धमकी दी तथा धार्मिक आधार पर दबाव बनाने की कोशिश की। साथ ही आरोप लगाया गया है कि आम रास्ते से संबंधित खसरा नंबर की रजिस्ट्री के आधार पर उनके प्लॉट पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।

द्वारका प्रसाद साहू ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य रोकने का अधिकार नगर पालिका के पास नहीं है, बल्कि यह अधिकार अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं राजस्व अमले का है। इसके बावजूद कथित रूप से नगर पालिका के उडबदस्ता कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रोकने का दबाव बनाया। उन्होंने बताया कि इसी भूमि विवाद को लेकर वर्ष 2021 में अर्चना चंसौरिया द्वारा अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष धारा 145 के तहत प्रकरण दायर किया गया था, जिसमें निर्णय डॉ. मांडवी साहू के पक्ष में आया था। इसके बावजूद निर्माण कार्य में लगातार बाधा उत्पन्न की जा रही है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक एवं कलेक्टर से मांग की है कि उन्हें अपनी भूमि पर वैधानिक रूप से निर्माण कार्य पूरा कराने के लिए पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए, निर्माण में बाधा डालने वालों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उन्हें बिना किसी भय और व्यवधान के अपने प्लॉट पर निर्माण करने की अनुमति सुनिश्चित कराई जाए।

बीआरसी का रूकेगा वेतनः कलेक्टर

शिक्षक देश के भविष्य निर्माता शत-प्रतिशत नामांकन न कराने वाले बीईओ

रीवा ।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने स्कूल शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता है। उच्च से उच्च पदों पर पहुंचने वाले तथा विभिन्न क्षेत्रों में सफलताएं प्राप्त करने वाले किसी न किसी शिक्षक के विद्यार्थी हैं। सभी शिक्षक भावी पीढ़ी का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन करें। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए विशेष प्रयास करें। शाला जाने योग्य सभी बच्चों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। जिले में अभी भी लक्ष्य के अनुसार 96 प्रतिशत बच्चों का ही स्कूलों में एडमीशन हुआ है। बीईओ तथा बीआरसी 7 जुलाई तक लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत बच्चों का शाला में प्रवेश कराएं। शत-प्रतिशत नामांकन न होने पर बीईओ, बीआरसी का वेतन रोका जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि विन्ध्य की आमजनता शिक्षित और जागरूक है। इस धरती के कई सपूतों ने विभिन्न क्षेत्रों में अप्रतिम सफलताएं प्राप्त की हैं। विद्यार्थी की रूचि और क्षमता के अनुसार उसे शिक्षा और कॅरियर का मार्गदर्शन दें। भावी पीढ़ी को शिक्षित करने के

लिए ही शिक्षकों को अच्छा वेतन और सुविधाएं दी जा रही हैं। अपने पदीय दायित्वों का ठीक से निर्वहन करें। विद्यार्थियों को एक सप्ताह में निःशुल्क पुस्तकों का वितरण कराकर पोर्टल पर जानकारी दर्ज करें। विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने में भी प्रगति संतोषजनक नहीं है। त्योंथर विकासखण्ड में केवल 61 प्रतिशत बच्चों की अपार आईडी बनाई गई है। इस तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने बैठक से बिना सूचना अनुपस्थित बीईओ त्योंथर के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि शालाओं के साथ बनाए गए शौचालयों का निर्माण कार्य पूरा कराएं। शासन के निर्देशों के अनुसार प्राथमिक स्कूलों के आसपास स्थित आंगनवाड़ी केन्द्रों को मैपिंग के अनुसार प्राथमिक शालाओं में शिफ्ट कराएं। कलेक्टर ने गंगेव विकासखण्ड में मेंटर विजिट 91 प्रतिशत रहने पर नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा विकास की कुंजी है। सभी शिक्षक संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से कार्य करें। जर्जर शाला भवनों में कक्षाएं संचालित न करें। जर्जर भवनों को नष्ट कराने की कार्यवाही करें। बैठक में कलेक्टर ने बेसलाइन सर्वे तथा मिडलाइन सर्वे के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि मध्यान्ह भोजन के लिए आवंटित खाद्यान्न का समय पर उठाव कराएं। यदि खाद्यान्न का उठाव 75 प्रतिशत से कम है तो कार्रवाई की जाएगी। शाला भवनों की साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। बैठक में कलेक्टर ने सभी बीईओ और बीआरसी को कारण बताओ देने के निर्देश दिए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलाल मिश्रा, सहायक संचालक राजेश मिश्रा, रामराज मिश्रा, सभी बीईओ, बीआरसी तथा संकुल प्राचार्य उपस्थित रहे।

एसडीएम सीमांकन से असंतुष्ट किसानों के अपील प्रकरण दर्ज कर करें निराकरण

कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा है कि रीवा जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। सीमांकन, बंटवारा और अविवादित नामांतरण के प्रकरण शासन द्वारा तय समय सीमा में निराकृत कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार लंबित सीमांकन के प्रकरणों का लगातार निराकरण कर रहे हैं। यदि कोई किसान राजस्व अधिकारियों द्वारा किए गए सीमांकन से असंतुष्ट है तो वह सामान्य आवेदन देने के स्थान पर भू राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत एसडीएम कोर्ट में अपील प्रकरण दर्ज करे। संबंधित एसडीएम प्रकरणों की सुनवाई करके उनका निराकरण करेंगे। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित करते हुए कहा है कि सीमांकन से संतुष्ट न होने पर आवेदन देने वाले किसानों से अपील प्रकरण दर्ज कराएं। समुचित सुनवाई के बाद सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण करें। कलेक्टर ने भू स्वामियों से अपील की है कि सीमांकन के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें। इसके लिए जगह-जगह सामान्य आवेदन देने की आवश्यकता नहीं है। सीमांकन के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण किया जाएगा। उससे किसान असंतुष्ट है तो एसडीएम कोर्ट में अपील कर सकता है।

एसबीआई की 'संजीवनी एम्बुलेंस' का शुभारंभ,

संचालन के लिए ग्राम सुधार समिति को सौंपी गई

रीवा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) पहल के तहत उपलब्ध कराई गई 'एसबीआई संजीवनी एम्बुलेंस' का शुभारंभ सोमवार को ओम रिज़ॉर्ट में आयोजित गरिमामय समारोह में किया गया। इस दौरान एम्बुलेंस का संचालन ग्राम सुधार समिति को सौंपा गया।समारोह में एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने एम्बुलेंस की चाबी ग्राम सुधार समिति के प्रतिनिधियों को सौंपते हुए सफल संचालन के लिए शुभकामनाएँ दीं। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों के लोगों तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ समय पर उनके घर-द्वार तक पहुँचाना है।ग्राम सुधार समिति के प्रतिनिधियों ने एसबीआई का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एम्बुलेंस दूरस्थ और जरूरतमंद क्षेत्रों के मरीजों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी और जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार मिल सकेगा।कार्यक्रम में एसबीआई एवं ग्राम सुधार समिति के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। उपस्थित सभी लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के लिए एक सराहनीय और जनहितकारी कदम बताया।

सरकारी भवनों में लगाए जाएंगे सोलर पावर प्लांट

रीवा । बिजली की बचत और अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए रीवा जिले के शासकीय भवनों में रेस्को मोड पर छतों में सोलर पावर प्लांट लगाए जाएंगे। यह कार्य प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत किया जा रहा है। इस संबंध में मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के परियोजना प्रभारी, अजय शुक्ला ने बताया कि शासकीय भवनों के छतों में बिना किसी लागत के सोलर पावर प्लांट लगाए जा रहे हैं। इसके लिए उपयुक्त शासकीय भवनों का सर्वेक्षण कर लिया गया है। कार्यालय प्रमुखों के साथ सोलर पावर प्लांट लगाने के अनुबंध की कार्यवाही की जा रही है। रेस्को परियोजना के लिए मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है। निगम ने जिले में सोलर पावर प्लांट का अनुबंध करने के लिए रेस्को विकासक नियुक्त किया है। सभी कार्यालय प्रमुख और आहरण संवितरण अधिकारी, ऊर्जा विकास निगम और रेस्को के मध्य तीन पक्षीय पावर पर्चेज एग्रीमेंट करना होगा। सोलर पावर प्लांट के माध्यम से शासकीय कार्यालयों द्वारा उत्पादित बिजली के लिए रेस्को विकासक को प्रति यूनिट भुगतान करना होगा। यह दल मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल की व्यावसायिक दरों से काफी कम है। रीवा जिले में रेस्को के लिए टंकरा अलंकार केन्द्र संस्था को चुना गया है। अधिकारी इससे अनुबंध करके शासकीय भवनों में सोलर पावर प्लांट लगा सकते हैं।

बरसात में करंट का खतरा बढ़ा, एक सप्ताह में छह की मौत, अमिरती गांव में कूलर के करंट से युवक की गई जान

रीवा। बरसात का मौसम शुरू होते ही जिले में करंट लगने की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। पिछले एक सप्ताह के दौरान करंट की चपेट में आने से छह लोगों की मौत हो

चुकी है। इनमें अधिकांश मामलों में कूलर में उतरे करंट को हादसे का कारण बताया जा रहा है। ताजा मामला गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के अमिरती गांव का है, जहां शुक्रवार सुबह कूलर के करंट की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अमिरती गांव निवासी इरफान खान (24) शुक्रवार सुबह अपने घर में काम कर रहा था। इसी दौरान वह घर में रखे कूलर के संपर्क में आया और करंट की चपेट में आ गया। परिजनों ने तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। जिले में बीते दिनों भी करंट से कई लोगों की जान जा चुकी है। 15 जून को करंट लगने से आर्यन गुप्ता की मौत हो गई थी। वहीं 18 जून को सिरमौर निवासी विवेक कुशवाह करंट की चपेट में आने के बाद गंभीर अवस्था में अस्पताल लाए गए, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके अलावा 19 जून को सेमरिया निवासी शनी कोल तथा मनगवां निवासी कृष्णा उजागर शुक्ला की भी करंट लगने से जान चली गई। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने जिले में विद्युत सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बारिश के मौसम में घरों में नमी और सीलन बढ़ने से विद्युत उपकरणों में लीकेज करंट की संभावना अधिक हो जाती है। विशेष रूप से पुराने कूलर, खराब वायरिंग, अर्थिंग की कमी तथा खुले तार हादसों की बड़ी वजह बन रहे हैं। ऐसे में मामूली लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। विद्युत विशेषज्ञों की सलाह है कि बरसात के मौसम में कूलर, वॉशिंग मशीन, पानी की मोटर और अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग करने से पहले उनकी वायरिंग और अर्थिंग की जांच अवश्य करा लें। गीले हाथों से किसी भी विद्युत उपकरण को न छुएं तथा करंट महसूस होने पर तुरंत मुख्य विद्युत आपूर्ति बंद कर संबंधित उपकरण की मरम्मत कराएं। यदि किसी उपकरण में करंट उतरने की आशंका हो तो उसका उपयोग तत्काल बंद कर देना चाहिए।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस की राशि का लक्ष्य से अधिक हुआ संग्रहण राज्यपाल ने कलेक्टर रीवा को किया सम्मानित

रीवा । राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने कलेक्टर रीवा नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को प्रशंसा पत्र एवं सम्मान शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में रीवा जिला द्वारा निर्धारित लक्ष्य 9,77,700 रुपए से अधिक राशि 9,93,280 रुपए का योगदान देने के लिए कलेक्टर को सम्मानित किया गया गया है। कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर सूर्यवंशी को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टन सेवानिवृत्त सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने प्रशस्ति पत्र और शील्ड सौंपी। एकत्रित सशस्त्र सेना झंडा दिवस राशि शहीदों की वीरनारी, भूतपूर्व सैनिकों, सैन्य विधवाओं एवं उनके आश्रितों के कल्याण हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सैनिक कल्याण योजनाओं के अनुदान में उपयोग की जाती है।

विद्युत पोल में उतरे करंट से गाय, भैंस व बछड़े की मौत, खेत में जानबूझकर करंट फैलाने का आरोप

रीवा। जिले के सिरमौर थाना क्षेत्र के सदहना गांव में शुक्रवार सुबह विद्युत पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से तीन मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। मृत मवेशियों में एक जर्सी नस्ल की गाय, एक भैंस और एक बछड़ा शामिल है। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। मवेशी मालिकों ने गांव के ही एक व्यक्ति पर खेत की सुरक्षा के नाम पर विद्युत पोल के सहारे कंटीले तार में करंट प्रवाहित करने का आरोप लगाया है। मामले की लिखित शिकायत सिरमौर थाने में दर्ज कराते हुए निष्पक्ष जांच और दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार, सदहना गांव निवासी रामबहोर साकेत की जर्सी नस्ल की गाय तथा प्रेमवती साकेत की भैंस और बछड़ा रोज की तरह चरने के लिए खेतों की ओर गए थे। इसी दौरान खेत के बीच स्थित विद्युत पोल के आसपास पहुंचे मवेशी अचानक करंट की चपेट में आ गए। तेज करंट लगने से तीनों मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब ग्रामीण और मवेशी मालिक मौके पर पहुंचे तो तीनों पशु मृत अवस्था में पड़े मिले। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। मवेशी मालिकों का आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने अपने खेत की सुरक्षा के उद्देश्य से विद्युत पोल के सहारे कंटीले तार बांध रखे थे, जिनमें अवैध रूप से करंट प्रवाहित किया गया था। इसी करंट की चपेट में आने से तीनों मवेशियों की मौत हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस तरह के अवैध विद्युत कनेक्शन पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में किसी बड़ी जनहानि से भी इंकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद प्रभावित परिवारों ने सिरमौर थाने पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

रीवा-सीधी हाईवे मुआवजा विवाद ने गरमाई सियासत, न्याय की मांग लेकर विधायक-सांसद की चौखट पर पहुंचे सैकड़ों किसान

भूमि अधिग्रहण के मूल्यांकन पर किसानों ने उठाए गंभीर सवाल, विधायक से जताया असंतोष; सांसद ने कलेक्टर से फोन पर की बात, निष्पक्ष कार्रवाई का दिलाया भरोसा

रीवा। रीवा-सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण के लिए निर्धारित किए जा रहे मुआवजे को लेकर प्रभावित किसानों में असंतोष लगातार गहराता जा रहा है। गुढ़ तहसील के महसांव, पुराष, खाम-खड्डा, रीठी, उमरी सहित आसपास के कई ग्राम पंचायतों के सैकड़ों किसान अपनी मांगों और शिकायतों को लेकर क्षेत्रीय विधायक नागेंद्र सिंह एवं रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा से मिले। किसानों ने ज्ञापन सौंपकर मुआवजा निर्धारण प्रक्रिया में कथित विसंगतियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए न्यायसंगत मुआवजा दिलाने की मांग की।ज्ञापन सौंपने के दौरान किसानों ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहित की जा रही भूमि का मूल्यांकन वास्तविक बाजार दरों के अनुरूप नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि भूमि का कम मूल्यांकन होने के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का कहना था कि वर्षों की मेहनत से अर्जित उनकी कृषि भूमि का उचित मूल्य नहीं मिलने से वे स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।किसानों ने मांग की कि प्रभावित भूमि का निष्पक्ष सर्वे कराया जाए तथा शासन की निर्धारित गाइडलाइन और प्रचलित बाजार दरों के अनुरूप मुआवजा तय किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।बैठक के दौरान कई किसानों ने अपनी नाराजगी भी व्यक्त की और कहा कि मुआवजा निर्धारण को लेकर लंबे समय से उठाई जा रही शिकायतों का अभी तक संतोषजनक समाधान नहीं हो सका है। किसानों ने अपेक्षा जताई कि उनके मुद्दे का शीघ्र निराकरण कराया जाए।इस अवसर पर विधायक नागेंद्र सिंह ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पूरे मामले की जानकारी संबंधित विभागीय अधिकारियों से लेकर हर बिंदु की समीक्षा कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा यदि मुआवजा निर्धारण में कहीं त्रुटि पाई जाती है तो उसे सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।वहीं रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने किसानों की मौजूदगी में रीवा कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी से दूरभाष पर चर्चा कर मामले से अवगत कराया और शिकायतों की गंभीरता से जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सांसद ने स्पष्ट कहा कि प्रभावित किसानों को नियमानुसार न्यायोचित मुआवजा दिलाने के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर प्रयास किए जाएंगे तथा किसी भी किसान के अधिकारों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी।रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा के हस्तक्षेप और आश्वासन के बाद किसानों में सकारात्मक माहौल देखने को मिला। किसानों ने विश्वास जताया कि अब प्रशासन पूरे प्रकरण की निष्पक्ष समीक्षा करेगा और मुआवजा निर्धारण प्रक्रिया में यदि किसी प्रकार की विसंगति है तो उसका निराकरण कर प्रभावित किसानों को न्याय दिलाया जाएगा।

आवजा विवाद बना राजनीतिक चर्चा का विषय

रीवा-सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण परियोजना का मुआवजा विवाद अब राजनीतिक चर्चाओं का विषय बनता जा रहा है। प्रभावित किसानों का कहना है कि उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समयबद्ध और न्यायसंगत कार्रवाई चाहिए। अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन और संबंधित विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

तनावमुक्त जीवन के लिए आध्यात्मिक चिंतन एवं राजयोग अपनाएं – कलेक्टर

मऊगंज वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली में मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और आत्मचिंतन अत्यंत आवश्यक हैं। राजयोग मेडिटेशन एवं आध्यात्मिक जीवनशैली व्यक्ति को तनावमुक्त, संतुलित एवं प्रभावी जीवन जीने की प्रेरणा देती है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट सभागार में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, उप सेवाकेंद्र मऊगंज द्वारा आयोजित ₹तनावमुक्त खुशहाल जीवन एवं अध्यात्म से व्यक्तित्व का विकास₹ विषयक आध्यात्मिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। कलेक्टर ने कहा कि प्रतिदिन कुछ समय आत्मचिंतन एवं परमात्मा की स्मृति के लिए निकालने से कार्यक्षमता, निर्णय क्षमता और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित इस पहल की

सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होने चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता माउंट आबू से आए बीके राजू भाई ने राजयोग मेडिटेशन, आत्मबोध और सकारात्मक चिंतन के माध्यम से तनावमुक्त एवं खुशहाल जीवन के व्यावहारिक सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि स्वयं को शरीर नहीं बल्कि शांत एवं शक्तिशाली आत्मा के रूप में पहचानने से जीवन में स्थायी सुख और शांति का अनुभव होता है। सात्विक भोजन, श्रेष्ठ विचार और परमात्मा की याद मानसिक संतुलन के प्रमुख आधार हैं। ब्रह्माकुमारीज़ रीवा सब ज़ोन के संयोजक बीके प्रकाश भाई ने दुआओं और शुभभावनाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दूसरों के प्रति सम्मान और सकारात्मक सोच ही जीवन की सबसे बड़ी आध्यात्मिक पूंजी है। डिप्टी कलेक्टर रश्मि चतुर्वेदी ने कहा कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को मानसिक रूप से सशक्त बनाकर तनावमुक्त एवं संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देती है।कार्यक्रम में बीके खुशबू दीदी, बीके सुभाष भाई, बीके रानी माता सहित ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के सदस्य तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अटल पार्क में निर्माण पर घमासान, एमआईसी सदस्य ने उठाए सवाल, आयुक्त को लिखा पत्र जांच की मांग स्थायी निर्माण पर रोक का हवाला देकर कहा पिलर, शेड और दुकानों में बदलाव किसकी अनुमति से हो रहा

रीवा। शहर के सिविल लाइन स्थित अटल पार्क में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर नगर निगम के एमआईसी सदस्य एवं वार्ड क्रमांक-06 के पार्षद धनेंद्र सिंह बघेल ने नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर पार्क परिसर में किए जा रहे निर्माण कार्यों की वैधता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पार्क में ऐसे निर्माण और संशोधन कार्य कराए जा रहे हैं, जो नगर निगम की स्वीकृत शर्तों के विपरीत प्रतीत हो रहे हैं। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।धनेंद्र सिंह बघेल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि अटल पार्क परिसर में इन दिनों पिलरों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावा दुकानों के सामने और पीछे शेड लगाए जा रहे हैं। नव निर्मित दुकानों की मूल संरचना में बदलाव किए जा रहे हैं तथा दो से तीन

दुकानों को मिलाकर एक बड़ी दुकान तैयार करने का कार्य भी किया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि यह निर्माण कार्य सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना हो रहे हैं, तो यह नगर निगम के निर्णयों और निर्धारित नियमों का उल्लंघन है। एमआईसी सदस्य ने अपने पत्र में मेयर-इन-काउंसिल की 29वीं बैठक (23 दिसंबर 2025) के प्रस्ताव क्रमांक-19 का हवाला देते हुए कहा है कि निविदा स्वीकृत करते समय स्पष्ट शर्त रखी गई थी कि अटल पार्क परिसर, पार्किंग, दुकानों एवं उनके ऊपर किसी भी प्रकार का स्थायी निर्माण नहीं किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर केवल अस्थायी निर्माण की अनुमति ही निविदा दस्तावेज में वर्णित सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी जा सकेगी। ऐसे में वर्तमान में हो रहे निर्माण कार्यों की वैधानिकता स्वतः सवालों के घेरे में आ गई है। पत्र में आयुक्त से मांग की गई है कि पूरे मामले की तकनीकी एवं प्रशासनिक स्तर पर जांच कराई जाए तथा यह स्पष्ट किया जाए कि संबंधित निर्माण कार्य किसकी अनुमति से कराए जा रहे हैं। यदि जांच में बिना स्वीकृति अथवा नियमों के विपरीत निर्माण पाया जाता है तो संबंधित अधिकारियों, ठेकेदार एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही जांच प्रतिवेदन भी उपलब्ध कराया जाए।

सिंगरौली में रैम्प (RAMP) कार्यशाला का प्रथम दिवस संपन्न

सिंगरौली। युवाओं और **SHG** समूहों को मिला उद्यम स्थापना का मार्गदर्शनभारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (**MSME**) तथा विश्व बैंक समर्थित **RAMP** योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड (**MPLUN**) द्वारा होटल सत्य इंटरनेशनल, बैढ़न, सिंगरौली में आयोजित दो दिवसीय कंपोजिट कार्यशाला के प्रथम दिवस का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों एवं इच्छुक युवाओं को विभिन्न शासकीय योजनाओं, वित्तीय सहायता एवं उद्यम स्थापना से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करना रहा।मुख्य अतिथि श्री राम निवास शाह, विधायक सिंगरौली ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार द्वारा उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्यम स्थापित करने से न केवल व्यक्ति की आय में वृद्धि होती है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में उद्यम स्थापित कर अपनी आय को बढ़ाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह भी छोटे-छोटे उद्यम स्थापित कर रहे हैं, जिन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।श्री शाह ने कहा कि बैंकों द्वारा ऋण उपलब्ध कराने हेतु निर्धारित आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक औपचारिकताओं को समय-समय पर पूर्ण करना आवश्यक है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर ऋण प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं प्रक्रियाओं की

समुचित जानकारी प्रदान करने में **RAMP** योजना के अंतर्गत आयोजित ऐसी प्रशिक्षण कार्यशालाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा इनका आयोजन समय-समय पर किया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।विशिष्ट अतिथि श्री सुंदर लाल शाह, जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, सिंगरौली ने कहा कि जिले में 10,000 से अधिक स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही है। इस सहायता से अनेक नए उद्यम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी उद्यमों का उद्यम पंजीकरण (**Udyam Registration**) कराया जाना आवश्यक है, जिससे वे **MSME** मंत्रालय की अन्य योजनाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से शासन की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार गांव स्तर तक होना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक हितग्राही इनका लाभ उठा सकें।कार्यशाला के प्रथम दिवस में विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित

किए गए। इनमें **RAMP** योजना का परिचय, मध्यप्रदेश **MSME** विकास नीति-2025, मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति-2025, भूमि आवंटन नियम, **GeM** पोर्टल, वित्तीय जागरूकता, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (**LDM**) द्वारा बैंकिंग एवं ऋण संबंधी योजनाएं, स्वयं सहायता समूहों का उद्यम हेतु औपचारिककरण (**SHG Formalization**), **ONDC** ऑनबोर्डिंग, **IPR** एवं **GI** टैगिंगंग जागरूकता सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। द्वितीय दिवस में **ZED** सेर्टिफिकेशं, **BIS**, **ESG RECP**, वित्तीय जागरूकता, आदि सत्र होना संभावित हैं।

मुदरिया में 40 वर्ष पुराने आम रास्ते को खोदकर किया बंद, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

मऊगंज जिले के शहर से सटे ग्राम मुदरिया पहाड़राम में वर्षों पुराने आम रास्ते को लेकर विवाद गहराता जा रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ दबंग लोगों ने जेसीबी मशीन लगाकर करीब 40 वर्ष पुराने सार्वजनिक रास्ते को खोदकर गहरे गड्ढों में तब्दील कर दिया जिससे गांव के सैकड़ों लोगों का आवागमन प्रभावित हो

गया है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।ग्रामीणों के अनुसार, यह रास्ता कई दशकों से आम नागरिकों के आवागमन के लिए उपयोग में था। इसी मार्ग से विद्यालय जाने वाले छोटे-छोटे बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं एवं किसान प्रतिदिन आवाजाही करते थे। लेकिन रास्ता खोदे जाने के बाद लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है।ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सार्वजनिक मार्ग को तत्काल बहाल कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करे।स्थानीय लोगों एवं वरिष्ठ समाजसेवियों का कहना है कि यह रास्ता लगभग 40 वर्षों से सार्वजनिक उपयोग में था और गांव के सैकड़ों लोग इसी मार्ग से अपने दैनिक कार्यों के लिए आते-जाते थे।

उनका आरोप है कि जेसीबी से रास्ता खोदकर गड्ढों में बदल दिया गया, जिससे पूरे क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मामले की शिकायत मऊगंज थाने में भी की गई है। वहीं ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि राजस्व विभाग द्वारा मौके का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का परीक्षण कराया जाए तथा यदि सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण या अवरोध पाया जाता है तो उसे तत्काल हटाकर आम रास्ता पुनः चालू कराया जाए।

NAME CHANGE

I, hitherto known as Pransu Singh S/O Pushpraj Singh R/O 138, Madi Khurd, Madhi, Rewa, Madhya Pradesh, 486111, have changed my name and shall hereafter be known as PRIYANSHU SINGH.